भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1112

08 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष का प्रचार

1112. डॉ. सत्यपाल सिंह:
श्रीमती रक्षा निखिल खाडसे:
श्री हँसमुखभाई एस. पटेल:
सुश्री सुनीता दुग्गल:
श्री पल्लब लोचन दास:
श्री चुन्नीलाल साहू:
श्री सी. पी. जोशी:
श्री जगदम्बिका पाल:
श्री राजेन्द्र अग्रवाल:
श्री दुष्यंत सिंह:
श्री बसंत कुमार पंडा:
श्री नलीन कुमार कटील:
श्री राजेश वर्मा:
श्री संजय भाटिया:
श्री कृपानाथ मल्लाह:
श्री मनोज कोटक:
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल:
श्री शंकर लालवानी:
डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत समय के साथ बजट में किए गए परिवर्तन का ब्यौरा क्या है और वर्ष 2022-23 के दौरान इसकी प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं;

(ख) क्या सरकार की राजस्थान सहित देश में शैक्षिक कार्यकलाप, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करके आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी में शिक्षा, अनुसंधान और नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए इसकी रूपरेखा और घटकों को आरम्भ करने की तिथि, प्राप्त की गई उल्लेखनीय उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है और इससे कितने प्रशिक्षु लाभान्वित हुए हैं;

(घ) वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक आयुष बाजार के आकार में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है;

(ङ) सरकार द्वारा देश भर में आयुष के संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और

(च) मंत्रालय की भावी कार्ययोजना सहित देश में पिछले एक दशक और वर्तमान वर्ष के दौरान हरियाणा, मध्य प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और विशेष रूप से राजस्थान में जिला-वार कितने आयुर्वेद, योग, सिद्ध और यूनानी कॉलेज स्थापित किए गए हैं/विचाराधीन हैं?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, 2014-15 के दौरान 78.32 करोड़ रुपये का बजट आवंटन निर्धारित किया गया था जिसे 2022-23 के दौरान बढ़ाकर 800.00 करोड़ रुपये कर दिया गया है। 2014-15 से 2022-23 तक की प्रमुख उपलब्धियाँ **संलग्नक-I** पर दी गई हैं।

(ख) और (ग): केंद्रीय क्षेत्र योजना- आयुर्ज्ञान के तहत, आयुष मंत्रालय पात्र संगठनों/संस्थानों को योजना दिशानिर्देशों में निहित प्रावधान के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियाँ, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि के द्वारा आयुष में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करना है।

यह योजना राजस्थान राज्य सहित पूरे देश में कार्यान्वित की गई है। केंद्रीय क्षेत्र योजना होने के कारण, धनराशि सीधे आवेदक संगठन को आवंटित/स्वीकृत/जारी की जाती है। आयुर्ज्ञान योजना का कार्यान्वयन 08.06.2021 को शुरू किया गया था। इस योजना के दो घटक हैं, अर्थात्, (i) आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (ii) आयुष में अनुसंधान और नवाचार।

आयुर्ज्ञान योजना की सीएमई घटक के तहत, इसके शुरुआत के बाद से लाभान्वित प्रशिक्षुओं की संख्या के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां इस प्रकार हैं:-

- वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2021-22 के दौरान 2.70 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.25 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान (01.12.2023 तक) 2.50 करोड़ रुपये की धनराशि आयुष शिक्षकों, डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और आयुष/गैर-आयुष वैज्ञानिकों/डॉक्टरों के लिए विभिन्न विषयों में 131 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए देश भर के 82 पात्र संस्थानों/संगठनों को जारी/वितरित किए गए थे।
- अब तक 3330 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

आयुर्ज्ञान योजना के आयुष घटक में अनुसंधान एवं नवाचार की उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं

- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.76 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2.82 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान (दिनांक 01.12.2023 तक) 1.47 करोड़ रुपये की धनराशि संस्थानों/संगठनों को आयुष में अनुसंधान अध्ययन करने के लिए क्रमशः 21, 25 और 18 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जारी किए गए हैं।

(घ): विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आईआईएस) के फोरम ऑन इंडियन ट्रेडिशनल मेडिसिन (एफआईटीएम) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय आयुष उद्योग का बाजार आकार 2020 में बढ़कर 18.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

(ङ.): आयुष मंत्रालय देश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों के समग्र विकास और प्रचार के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन को कार्यान्वित कर रहा है और एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को द्वारा प्रस्तुत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के अनुरुप वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है। मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:-

i. आयुष स्वास्थ्य एवं वेलनेस केंद्र
ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंदों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना
iii. मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
iv. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास पर) के लिए भवन का निर्माण/उन क्षेत्रों में नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण, जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं
v. 10/30/50 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना
vi. राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को जरूरी दवाइयों की आपूर्ति
vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम
viii. व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण(बीसीसी)
ix. राज्य और जिला स्तर पर गतिशीलता सहायता
x. आयुष ग्राम
xi. उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है
xii. आयुष स्नातक-पूर्व संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

इसके अलावा, मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयुष में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना कार्यान्वित कर रहा है। इसका लक्ष्य देश भर में आबादी के सभी वर्गों तक पहुंचना है। यह योजना राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों, योग फेस्ट/उत्सवों, आयुर्वेद पर्वों आदि के आयोजन के लिए सहायता प्रदान करती है। मंत्रालय आयुष पद्धतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मल्टी मीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है।

(च): पिछले एक दशक और चालू वर्ष के दौरान, देश में स्थापित/विचाराधीन आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी कॉलेजों की संख्या, हरियाणा, मध्य प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार और विशेष रूप से राजस्थान में जिला-वार मंत्रालय की संभावित कार्य योजना **संलग्नक-II** पर दी गई है।

*****

संलग्नक-I

2014-15 से 2022-23 तक राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियाँ

(1) एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 137 इकाइयों को समर्थन दिया गया।

(2) 315 आयुष अस्पतालों और 5023 आयुष औषधालयों को बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए समर्थन दिया गया है।

(3) 2375 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 713 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और 306 जिला अस्पतालों को प्रत्येक वर्ष औसतन दवाओं और आकस्मिकता की आवर्ती सहायता के लिए सह-स्थापना के तहत समर्थन दिया गया है।

(4) 895 आयुष अस्पतालों और 12194 आयुष औषधालयों को प्रत्येक वर्ष औसतन आवश्यक आयुष दवाओं की आपूर्ति के लिए समर्थन दिया गया है।

(5) नए आयुष शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए 13 इकाइयों का समर्थन किया गया।

(6) 77 स्नातक और 35 स्नातकोत्तर आयुष शैक्षणिक संस्थानों को बुनियादी ढांचे, पुस्तकालय और अन्य चीजों के उन्नयन के लिए समर्थन दिया गया है।

(7) 692 आयुष ग्रामों को समर्थन दिया गया है।

(8) 12500 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को मंजूरी दी गई है।

(i) पिछले एक दशक और चालू वर्ष के दौरान देश में स्थापित/विचाराधीन आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी कॉलेजों की संख्या

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**आयुर्वेद**	**सिद्ध**	**यूनानी**
1.	आंध्र प्रदेश	3	0	1
2.	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0
3.	असम	1	0	0
4.	अंदमान व नोकोबार द्वीप	0	0	0
5.	बिहार	10	0	5
6.	चंडीगढ़	1	0	0
7.	छत्तीसगढ़	6	0	1
8.	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	3	0	2
9.	दादरा व नागर हवेली और दमण व दीव	0	0	0
10.	गोवा	2	0	0
11.	गुजरात	45	0	0
12.	**हरियाणा**	**14**	**0**	**0**
13.	हिमाचल प्रदेश	4	0	0
14.	जम्मू-कश्मीर	2	0	4
15.	झारखंड	1	0	0
16.	कर्नाटक	99	0	6
17.	केरल	18	1	1
18.	लद्दाख	0	0	0
19.	लक्षद्वीप	0	0	0
20.	**मध्य प्रदेश**	**33**	**0**	**4**
21.	महाराष्ट्र	120	0	7
22.	मणिपुर	0	0	0
23.	मेघालय	2	0	0
24.	मिजोरम	0	0	0
25.	नागालैंड	0	0	0
26.	ओडिशा	6	0	0
27.	पुडुचेरी	1	0	0
28.	पंजाब	18	0	1
29.	**राजस्थान**	**18**	**0**	**3**
30.	सिक्किम	0	0	0
31.	तमिलनाडु	8	16	1
32.	तेलंगाना	2	0	3
33.	त्रिपुरा	0	0	0
34.	उत्तर प्रदेश	100	0	16
35.	उत्तराखंड	20	0	1
36.	पश्चिमी बंगाल	4	0	1
	कुल	**541**	**17**	**57**

(ii) राजस्थान में आयुर्वेद एवं यूनानी महाविद्यालयों की जिले-वार सूची

क्र.सं.	जिले का नाम	आयुर्वेद महाविद्यालयों की संख्या	यूनानी महाविद्यालयों की संख्या
1.	श्रीगंगानगर	2	0
2.	जयपुर	5	2
3.	उदयपुर	2	0
4.	जोधपुर	1	0
5.	केकड़ी	1	0
6.	भरतपुर	1	0
7.	बीकानेर	1	0
8.	कोटा	1	0
9.	सीकर	1	0
10.	चुरू	1	0
11.	झुंझुनूं	1	0
12.	झालावाड़	1	0
13.	टोंक	0	1
कुल		**18**	**3**